आकाषवाणी जयपुर–अजमेर

प्रादेषिक समाचार

दिनांकः 31.07.2025 समय : 18.30 पीएम

- केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के लिए 6 हज़ार 520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी।
- राज्य के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित–धौलपुर में सेना की मदद से राहत और बचाव कार्य जारी।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा–राज्य सरकार लोगों के नेत्र स्वास्थ्य के लिए प्रयासरत।
- बैंकिंग कानून संशोधन अधिनियम–2025 कल से लागू होगा।

000

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के लिए 6 हजार 520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दे दी है। बैठक के बाद आज नई दिल्ली में संवाददताओं को जानकारी देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसमें 50 बहु–उत्पाद खाद्य इकाइयां स्थापित करने में सहयोग के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही एन.ए.बी.एल. से मान्यता प्राप्त एक सौ खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं भी बनाई जाएंगी।

.....

मंत्रिमंडल ने चार वर्षों की अवधि के लिए दो हजार करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अनुदान सहायता–एनसीडीसी को भी मंजूरी दी है। एनसीडीसी इस दौरान खुले बाजार से 20 हजार करोड़ रुपये जुटा सकेगा। इस राशि का उपयोग नई परियोजनाओं की स्थापना या संयंत्रों के विस्तार के लिए सहकारी समितियों को ऋण देने में किया जाएगा।

000

प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वहीं कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गयी। पूर्वी जिलों में पिछले दो तीन दिन में हुई तेज बारिश के कारण चंबल और सहायक नदियां उफान पर हैं। करौली में चंबल नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं धौलपुर में नदी का जल स्तर खतरे के निशान से 13 मीटर ऊपर पहुंच गया है। इस कारण निचले ईलाकों में पानी भर गया है। हमारे संवाददाता ने बताया कि राहत और बचाव कार्य के लिए सेना की मदद ली जा रही है।

.....

उधर, सवाईमाधोपुर में आज बारिश की गति धीमी होने से लोगों को राहत मिली है। हालांकि अभी भी जिला मुख्यालय और कई गांवों के निचले इलाकों में पानी भरा हुआ है। सवाईमाधोपुर से मध्यप्रदेश को जोड़ने वाले रास्ते पर अभी भी आवागमन बाधित है। जिला मुख्यालय से कई गांवों का संपर्क अभी भी बहाल नहीं हो पाया है। और ब्यौरा हमारे संवाददाता से –

.....

आज चुरू, सीकर, अलवर, नागौर, अजमेर तथा टोंक जिलों के कई भागों में तेज बारिश हुई। उधर, हाड़ौती क्षेत्र में भी बारिश का दौर सिलसिला बना हुआ है। कोटा के खातौली में घरों में पानी भरने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। अलवर जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नागरिकों से तेज बहाव वाले नदी नालों से दूर रहने और सतर्कता बरतने की अपील की है। राजधानी जयपुर में दिनभर बरसात का दौर चला। दौसा, बीकानेर, हनुमानगढ, कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, पाली और प्रतापगढ जिलों में कहीं'कहीं हल्की से मध्यम वर्षा के समाचार हैं। तेज बारिश की आशंका को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों में कल का भी अवकाश रखा गया है।

मौसम विभाग ने आज जयपुर, झुंझुनू, सीकर, बीकानेर, चुरू और नागौर जिलों में मूसलाधार वर्षा का आरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा कई अन्य जिलों के लिए भी तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम केंद्र जयपुर ने कल भी शेखावाटी अंचल तथा बीकानेर संभाग के जिलों में तेज बरसात का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। शनिवार से तेज बारिश का दौर थमने की संभावना है।

000

राज्य में जर्जर भवनों का तत्काल चिन्हिकरण कर उन्हें नियमानुसार गिराया जाएगा। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने आज जयपुर में सभी नगरीय निकायों को उच्च अधिकारियों को सतर्क रहते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिये। राज्य में चल रहे भारी बरसात के दौर को देखते हुए ये बैठक बुलाई गई। इस दौरान श्री जैन ने जर्जर भवनों की पहचान और उन्हें गिराने के लिए चलाए जा रहे राज्य स्तरीय अभियान की प्रगति की जानकारी ली। श्री जैन ने बताया कि अभियान के तहत अब तक राज्य के 224 नगरीय निकायों में कुल 2 हजार 699 जर्जर भवनों की पहचान की जा चुकी है।

000

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज जैसलमेर के रामदेवरा में नेत्र कुंभ समारोह का उद्घाटन किया। 33 दिन तक चलने वाले नेत्र कुंभ में शिविर लगाकर बड़ी संख्या में लोगों की आंखों की निःशुल्क जांच की जाएगी। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नेत्र स्वास्थ्य के लिए लगातार प्रयास कर रही है, ताकि प्रदेशवासियों के जीवन में खुशियां और रोशनी फैलाई जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से हर साल लाखों लोगों की मोतियाबिंद की निःशुल्क सर्जरी की जा रही है।

.....

मुख्यमंत्री ने इससे पहले, बाबा रामदेव पैनोरमा का अवलोकन किया। उन्होंने पैनोरमा स्थल पर पेड़ लगाकर आमजन को पौधरोपण का संदेश दिया। श्री शर्मा ने बाबा रामदेव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख समृद्धि की कामना की।

000

केन्द्र सरकार के जीवन संजीवनी अभियान के तहत आगामी 3 अगस्त को 15वां अंगदान दिवस मनाया जाएगा। आमजन को अंगदान के लिये प्रेरित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा संजीवनी अभियान लोगों में जागरुकता बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में बारां के जिला अस्पताल में जागरुकता कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान लोगों को अंगदान की शपथ दिलाई गई। झुंझुनूं में लोगों को अंगदान के वास्ते प्रेरित करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने कहा कि जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वेच्छा से अंगदान की प्रेरणा मिलती है।

000

बैंकिंग कानून संशोधन अधिनियम–2025 कल से लागू हो रहा है। इसका उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में शासन मानकों में सुधार लाना और जमाकर्ताओं तथा निवेशकों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके अलावा अधिनियम के प्रावधानों का उद्देश्य "पर्याप्त ब्याज" की सीमा को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करना है। यह 1968 से अपरिवर्तित रही सीमा को संशोधित करेगा। इस अधिनियम के जरिए सहकारी बैंकों में निदेशक के कार्यकाल को आठ वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दिया गया है।

000

रेलवे कल से रामदेवरा मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला स्पेशल ट्रेन चलाएगा। जोधपुर–रामदेवरा–जोधपुर ट्रेन सात सितम्बर तक कुल 38 ट्रिप करेगी। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि ये रेलगाड़ी रोजाना जोधपुर से सुबह चार बजे रवाना होकर सुबह पौने आठ बजे रामदेवरा पहुंचेगी। इसी तरह ये ट्रेन रामदेवरा से सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर रवाना होकर दोपहर बारह बजे जोधपुर पहुंचेगी। ट्रेन में यात्री सुविधा के लिए 8 जनरल और दो गार्ड डिब्बों सहित कुल 10 डिब्बे होंगे। पूरी ट्रेन अनारक्षित होगी।

वहीं दिल्ली–जैसलमेर–दिल्ली रूणिचा एक्सप्रेस कल से 27 अगस्त तक वाया जयपुर चलाई जाएगी। फुलेरा–रींगस–रेवाड़ी रेलखंड के बीच डबल ट्रेक के निर्माण कार्य की वजह से ये फैसला लिया गया है।

000

राज्य में होने वाली सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अब से किसी भी सिख छात्र को अब अपने धार्मिक प्रतीकों को उतारने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि सिख अभ्यर्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में अपने धार्मिक प्रतीक जैसे कड़ा, कृपाण और पगड़ी पहनकर परीक्षा दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस बारे में संबंधित एजेंसियों, विभागों और जिला कलेक्टरों को पत्र लिखा गया है। गौरतलब है कि हाल ही जयपुर में आयोजित एक प्रतियोगी परीक्षा के दौरान पंजाब से आई छात्रा को धार्मिक प्रतीक उतारने को कहा गया था। इस मामले के बाद कई सिख संगठनों और अभ्यर्थियों ने नाराजगी जताई थी।

000